



## ‘स्टेप वदि रफियूजी’ अभियान

### प्रीलिमिंस के लिये:

‘स्टेप वदि रफियूजी’ अभियान, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त

### मेन्स के लिये:

वशिव में शरणार्थी समस्याएँ

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (United Nations High Commissioner for Refugees-UNHCR) द्वारा प्रारंभ किये गए **स्टेप वदि रफियूजी** (Step with Refugee) अभियान में कई भारतीय व्यक्तियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

## मुख्य बदि:

- कई भारतीय तथा अन्य देशों के व्यक्त शरणार्थी समस्या को समझने के संदर्भ में इस अभियान में भाग ले रहे हैं।

## क्यों प्रारंभ किया गया अभियान?

- पूरे वशिव में कई ऐसे परिवार हैं जिनमें पलायन के लिये मजबूर किया गया है तथा वे जीवति रहने के लिये असाधारण प्रयास करते हैं।
- ऐसे समय में जब अधिक-से-अधिक परिवार वभिन्न वैश्विक संकटों के कारण अपने घरों से पलायन के लिये मजबूर हो रहे हैं, UNHCR द्वारा उनके परिवारों को सुरक्षित रखने के लिये तथा उनके जुझारूपन और दृढ़ संकल्प का सम्मान करने के लिये इस अभियान की शुरुआत की गई है।
- इस सामूहिक प्रयास के माध्यम से वैश्विक एकजुटता स्थापित करने, शरणार्थियों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थियों की रक्षा के लिये धन जुटाने के साथ-साथ उनके जीवन के पुनर्निर्माण में सहायता की जाएगी।

## क्या है स्टेप वदि रफियूजी’ अभियान?

- इस अभियान में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा 12 महीनों में दो बलियन किलोमीटर की दूरी तय करने के लिये स्वयं को चुनौती दी जाएगी क्योंकि वशिव में शरणार्थियों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिये हर वर्ष लगभग इतने कमी. की यात्रा तय की जाती है।
- इस अभियान में प्रतभागि पैदल चलकर, साइकल चलाकर या दौड़कर शामिल हो सकते हैं तथा फटिनेस एप फटिबटि, स्ट्रवा या गूगलफटि के माध्यम से भी आंदोलन में शामिल हो सकते हैं और वे जतिने किलोमीटर तक यात्रा करेंगे वह अभियान में स्वतः जुड़ जाएगा।
- इस अभियान में प्रतभागियों को एक ऑनलाइन कोच की सहायता देने की भी सुवधि है।
- इस अभियान के तहत UNHCR कई शरणार्थियों की दुखद और साहसिक यात्राओं को भी वशिव के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

## शरणार्थियों की बेहतर समझ का नरिमाण:

- UNHCR ने शरणार्थियों को लेकर फैली कई तरह की भ्रान्तियों को नमिनलखित तथ्यों के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया है-
  - शरणार्थी हमेशा युद्ध या उत्पीड़न के कारण दूसरे देशों में जाने के लिये मजबूर होते हैं। उन्हें "शरणार्थी" के रूप में मान्यता इसलिये दी जाती है, क्योंकि उनके लिये प्रवासियों के समान घर वापस आना बहुत जोखिमपूर्ण होता है।

## शरणार्थी एवं प्रवासी के मध्य अंतर:

- शरणार्थी अपने देश में उत्पीड़न अथवा उत्पीड़ित होने के भय से पलायन को मजबूर होते हैं। जबकि प्रवासी का अपने देश से पलायन वभिन्न कारणों

जैसे-रोज़गार, परिवार, शिक्षा आदि के कारण भी हो सकता है कति इसमें उत्पीड़न शामिल नहीं है।

- इसके अतिरिक्त प्रवासी को (चाहे अपने देश में हो अथवा अन्य देश में) को स्वयं के देश द्वारा विभिन्न प्रकार के संरक्षण का लाभ प्राप्त होता रहता है।
- अधिकांश शरणार्थी घर के नजिक रहने के लिये पड़ोसी देशों में सर्वाधिक पलायन करते हैं, इनमें से केवल 1% अन्य देशों में जाकर बसते हैं।
- दुनिया भर में, एक तह्मिई से भी कम लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। अधिकांश शरणार्थी जीवन-यापन के लिये शहरों और कस्बों में जीवित रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।

## भारत में शरणार्थियों की समस्या:

- भारत भी पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकस्तान, नेपाल, तबिबत और म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों की समस्या से जूझ रहा है। वर्तमान में रोहिंग्या, चकमा-हाजोंग, तबिबती और बांग्लादेशी शरणार्थियों के कारण भारत मानवीय, आंतरिक सुरक्षा आदि समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत भी शरणार्थियों के संबंध में एक ऐसी घरेलू नीति तैयार करे, जो धर्म, रंग और जातीयता की दृष्टि से तटस्थ हो तथा भेदभाव, हिसा और रक्तपात की विकराल स्थिति से उबारने में कारगर हो।

## वैश्विक शरणार्थी संकट तथा आगे की राह:

- शरणार्थी संकट विश्व के समक्ष पछिली एक शताब्दी का सबसे ज्वलंत मुद्दा रहा है। विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाएँ जैसे- भूकंप, बाढ़, युद्ध, जलवायु परिवर्तन आदि के कारण पछिली एक शताब्दी में लोगों के वसिथापन की समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।
- इनसे निपटने के लिये अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रयास किये जाते रहे हैं।
- शरणार्थी संकटों ने विभिन्न देशों को प्रभावित किया है जिसमें भारत भी शामिल है। भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र इसी प्रकार की समस्या से जूझ रहा है।
- 'स्टेप वदि रफियूजी' अभियान वैश्विक स्तर पर शरणार्थियों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थियों की रक्षा के लिये धन जुटाने में सहायता करेगा।

## स्रोत- द हद्दि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/step-with-refugees>

